

श्री कामेश्वर सिंह (दायमा-जोसेफर)  
राजनीति विज्ञान, स्टेनरु महिला कॉलेज वावाराक  
वर्ग - बी.ए. पार्ट - I 'कमिन्स'

पत्र - प्रथम 'दुबित' नं० - 01

राजनीति-का-प्र, डॉ. वीरभद्र प्रसाद-सिंह

दिनांक - 08-07-2020

राजनीति-का-प्र के क्षेत्र के अध्याय :-  
3) सरकार के सम्बन्ध में :- एक जानत है कि

राज्य और सरकार में अन्तर्सम्बन्ध सम्बन्ध  
है। एक की अनुपस्थिति में एक दूसरे की सम्पन्न  
भी नहीं कर सकते हैं। राज्य अमूर्त संस्था है-  
तो सरकार उका मूर्त रूप। कहे इसके सरकार  
का भी अध्ययन किया जाता है। राजनीति-  
का-प्र सरकार के संगठन इसके प्रकार तथा  
इसके कार्य का ज्ञान एक ही का-प्र से  
होता है। इससे सरकार के सभी पदपूर्णांक  
प्रकार ज्ञान जाता है।

4) राजनीति-संस्थाओं के वर्ग में :- एक  
राज्य आज केवल नैतिक संस्था ही नहीं  
है और इसके सम्बन्ध सामाजिक, आर्थिक  
तथा धार्मिक संगठनों से भी है। अतः  
राजनीति-का-प्र राज्य और सरकार के  
अध्ययन के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक  
दलों, दबाव गुटों, संगठनों संघों, राजनीतिक  
समूहों आदि का भी अध्ययन करना ही  
राजनीति-दलों का अध्ययन ही सारे  
विश्व का राजनीति-का-प्र का विषय बन गया है।

5) अन्तर्राष्ट्रीय संधियों का प्रयोग है! — एक

6) 38- 39- 40- 41- 42- 43- 44- 45- 46- 47- 48- 49- 50- 51- 52- 53- 54- 55- 56- 57- 58- 59- 60- 61- 62- 63- 64- 65- 66- 67- 68- 69- 70- 71- 72- 73- 74- 75- 76- 77- 78- 79- 80- 81- 82- 83- 84- 85- 86- 87- 88- 89- 90- 91- 92- 93- 94- 95- 96- 97- 98- 99- 100- 101- 102- 103- 104- 105- 106- 107- 108- 109- 110- 111- 112- 113- 114- 115- 116- 117- 118- 119- 120- 121- 122- 123- 124- 125- 126- 127- 128- 129- 130- 131- 132- 133- 134- 135- 136- 137- 138- 139- 140- 141- 142- 143- 144- 145- 146- 147- 148- 149- 150- 151- 152- 153- 154- 155- 156- 157- 158- 159- 160- 161- 162- 163- 164- 165- 166- 167- 168- 169- 170- 171- 172- 173- 174- 175- 176- 177- 178- 179- 180- 181- 182- 183- 184- 185- 186- 187- 188- 189- 190- 191- 192- 193- 194- 195- 196- 197- 198- 199- 200- 201- 202- 203- 204- 205- 206- 207- 208- 209- 210- 211- 212- 213- 214- 215- 216- 217- 218- 219- 220- 221- 222- 223- 224- 225- 226- 227- 228- 229- 230- 231- 232- 233- 234- 235- 236- 237- 238- 239- 240- 241- 242- 243- 244- 245- 246- 247- 248- 249- 250- 251- 252- 253- 254- 255- 256- 257- 258- 259- 260- 261- 262- 263- 264- 265- 266- 267- 268- 269- 270- 271- 272- 273- 274- 275- 276- 277- 278- 279- 280- 281- 282- 283- 284- 285- 286- 287- 288- 289- 290- 291- 292- 293- 294- 295- 296- 297- 298- 299- 300- 301- 302- 303- 304- 305- 306- 307- 308- 309- 310- 311- 312- 313- 314- 315- 316- 317- 318- 319- 320- 321- 322- 323- 324- 325- 326- 327- 328- 329- 330- 331- 332- 333- 334- 335- 336- 337- 338- 339- 340- 341- 342- 343- 344- 345- 346- 347- 348- 349- 350- 351- 352- 353- 354- 355- 356- 357- 358- 359- 360- 361- 362- 363- 364- 365- 366- 367- 368- 369- 370- 371- 372- 373- 374- 375- 376- 377- 378- 379- 380- 381- 382- 383- 384- 385- 386- 387- 388- 389- 390- 391- 392- 393- 394- 395- 396- 397- 398- 399- 400- 401- 402- 403- 404- 405- 406- 407- 408- 409- 410- 411- 412- 413- 414- 415- 416- 417- 418- 419- 420- 421- 422- 423- 424- 425- 426- 427- 428- 429- 430- 431- 432- 433- 434- 435- 436- 437- 438- 439- 440- 441- 442- 443- 444- 445- 446- 447- 448- 449- 450- 451- 452- 453- 454- 455- 456- 457- 458- 459- 460- 461- 462- 463- 464- 465- 466- 467- 468- 469- 470- 471- 472- 473- 474- 475- 476- 477- 478- 479- 480- 481- 482- 483- 484- 485- 486- 487- 488- 489- 490- 491- 492- 493- 494- 495- 496- 497- 498- 499- 500- 501- 502- 503- 504- 505- 506- 507- 508- 509- 510- 511- 512- 513- 514- 515- 516- 517- 518- 519- 520- 521- 522- 523- 524- 525- 526- 527- 528- 529- 530- 531- 532- 533- 534- 535- 536- 537- 538- 539- 540- 541- 542- 543- 544- 545- 546- 547- 548- 549- 550- 551- 552- 553- 554- 555- 556- 557- 558- 559- 560- 561- 562- 563- 564- 565- 566- 567- 568- 569- 570- 571- 572- 573- 574- 575- 576- 577- 578- 579- 580- 581- 582- 583- 584- 585- 586- 587- 588- 589- 590- 591- 592- 593- 594- 595- 596- 597- 598- 599- 600- 601- 602- 603- 604- 605- 606- 607- 608- 609- 610- 611- 612- 613- 614- 615- 616- 617- 618- 619- 620- 621- 622- 623- 624- 625- 626- 627- 628- 629- 630- 631- 632- 633- 634- 635- 636- 637- 638- 639- 640- 641- 642- 643- 644- 645- 646- 647- 648- 649- 650- 651- 652- 653- 654- 655- 656- 657- 658- 659- 660- 661- 662- 663- 664- 665- 666- 667- 668- 669- 670- 671- 672- 673- 674- 675- 676- 677- 678- 679- 680- 681- 682- 683- 684- 685- 686- 687- 688- 689- 690- 691- 692- 693- 694- 695- 696- 697- 698- 699- 700- 701- 702- 703- 704- 705- 706- 707- 708- 709- 710- 711- 712- 713- 714- 715- 716- 717- 718- 719- 720- 721- 722- 723- 724- 725- 726- 727- 728- 729- 730- 731- 732- 733- 734- 735- 736- 737- 738- 739- 740- 741- 742- 743- 744- 745- 746- 747- 748- 749- 750- 751- 752- 753- 754- 755- 756- 757- 758- 759- 760- 761- 762- 763- 764- 765- 766- 767- 768- 769- 770- 771- 772- 773- 774- 775- 776- 777- 778- 779- 780- 781- 782- 783- 784- 785- 786- 787- 788- 789- 790- 791- 792- 793- 794- 795- 796- 797- 798- 799- 800- 801- 802- 803- 804- 805- 806- 807- 808- 809- 810- 811- 812- 813- 814- 815- 816- 817- 818- 819- 820- 821- 822- 823- 824- 825- 826- 827- 828- 829- 830- 831- 832- 833- 834- 835- 836- 837- 838- 839- 840- 841- 842- 843- 844- 845- 846- 847- 848- 849- 850- 851- 852- 853- 854- 855- 856- 857- 858- 859- 860- 861- 862- 863- 864- 865- 866- 867- 868- 869- 870- 871- 872- 873- 874- 875- 876- 877- 878- 879- 880- 881- 882- 883- 884- 885- 886- 887- 888- 889- 890- 891- 892- 893- 894- 895- 896- 897- 898- 899- 900- 901- 902- 903- 904- 905- 906- 907- 908- 909- 910- 911- 912- 913- 914- 915- 916- 917- 918- 919- 920- 921- 922- 923- 924- 925- 926- 927- 928- 929- 930- 931- 932- 933- 934- 935- 936- 937- 938- 939- 940- 941- 942- 943- 944- 945- 946- 947- 948- 949- 950- 951- 952- 953- 954- 955- 956- 957- 958- 959- 960- 961- 962- 963- 964- 965- 966- 967- 968- 969- 970- 971- 972- 973- 974- 975- 976- 977- 978- 979- 980- 981- 982- 983- 984- 985- 986- 987- 988- 989- 990- 991- 992- 993- 994- 995- 996- 997- 998- 999- 1000

6) विशेष विधियों के सम्बन्ध में! — उपरोक्त विधियों में अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय-विशेष-विधियों में भी अपने-अपने-अर्थ-में-काम-करा-है। इसके अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय-संस्थाओं, जनता, युद्ध-विशेष-विधियों की-सम्बन्धी-संस्थाओं और उनकी-सम्बन्धी-की-विशेष-होती-है।

अर्थात् कि-राजकीय-विशेष-का-संबंध-विशेष-विधियों-का-व्यापक-हो-सकता-है। इसके-संबंध-का-अर्थ-में-बांधकर-नहीं-रखा-जा-सकता-। अन्तर्गत-के-विशेष-के-संबंध-विशेष-विशेष-विधियों-का-हो-सकता-है। अन्तर्गत-

7) क्रांति का अर्थ है एक ऐसी क्रिया जिससे समाज में परिवर्तन आता है। राजनीतिक क्षेत्र में क्रांति का अर्थ है समाज के ढांचे में बड़े बदलाव आना। क्रांति का अर्थ है समाज के ढांचे में बड़े बदलाव आना। क्रांति का अर्थ है समाज के ढांचे में बड़े बदलाव आना।

निष्कर्ष :- उपरोक्त अर्थों से यह स्पष्ट होता है कि राजनीतिक क्षेत्र में क्रांति का अर्थ है समाज के ढांचे में बड़े बदलाव आना। क्रांति का अर्थ है समाज के ढांचे में बड़े बदलाव आना। क्रांति का अर्थ है समाज के ढांचे में बड़े बदलाव आना।